

फर्द अहकाम

भगवाना बनाम इतिर व अन्य

न्यायालय

संख्या

५५/२०२१

क्र. संख्या	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>जान पर जो तलाक नही करवाई गई।          वादी आधिकारता द्वारा बार-बार जान बुझकर          न्यायालय आदेशों की उल्लंघना की गई।          अतः पत्नी न्यायालय आदेशों की उल्लंघना          में ०९२५ सी.पी.सी. के तहत श्वादिज          किया जाता है। पत्नी फैसला सुनार होकर          रुज नकर ये कम ही पत्नी दारिद्र्य          उपनव ही है।</p> <p>सहायक कलक्टर          (फास्ट ट्रे / मु.) चौमू</p>	

